झुंझुनूं में 21 साल बाद फिर से खिला कमल, कांग्रेस को बड़ा झटका

झुंझुनूं विधानसभा की अब तक की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी भाजपा के राजेंद्र भांबू के नाम दर्ज हुआ

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक राजेंद्र भांबू को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

- **इस बार पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने मुकाबला त्रिकोणीय बनाया, गुढ़ा ने कांग्रेस को नुकसान किया, जिसका फायदा भी भाजपा को मिला**

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं विधानसभा के उप चुनावों का परिणाम शनिवार को घोषित किया गया। परिणामों के बाद भाजपा में खुशी देखने को मिली। झुंझुनूं विधानसभा में 21 साल बाद एक बार फिर कमल खिला है। साथ ही झुंझुनूं विधानसभा की अब तक की सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी भाजपा के राजेंद्र भांबू के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले 2018 में कांग्रेस के बृजेंद्र ओला ने 40 हजार 565 वोटों से जीत दर्ज की थी, लेकिन राजेंद्र भांबू ने ना केवल इस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 42 हजार 848 वोटों से जीत दर्ज की, बल्कि 2018 में ओला से मिली हार का भी हिसाब चुकता कर लिया।

हर बार की तरह पिछले तीन चुनावों में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में चुनाव तो त्रिकोणीय ही रहा है। पर 2013, 2018 व 2023 में भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ते रहे हैं, जिसका फायदा कांग्रेस को होता रहा, लेकिन इस बार पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने मुकाबला तो त्रिकोणीय बनाया। लेकिन उन्होंने कांग्रेस को नुकसान किया। जिसका फायदा भी भाजपा को मिला। वहीं भाजपा ने पिछले तीन चुनावों में हुई भूल को इस बार नहीं दोहराया और एकजुटता के साथ चुनाव लडा। जिसका भी फायदा भाजपा को मिला है।

रिटर्निंग अधिकारी झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह यादव ने बताया कि मतगणना शनिवार को सेठ मोतीलाल कॉलेज में संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि भाजपा के राजेंद्र भांबू को 90425 मत मिले। वहीं उनके निकटवर्ती कांग्रेस प्रत्याशी अमित ओला को 47577 मत मिले। भाजपा के राजेंद्र भांबू को 42848 मतों से जीत हासिल हुई।

भांबू के निवास पर उमड़े हजारों समर्थक :- भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक राजेंद्र भांबू को बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। जिनमें प्रमुख रूप से मंत्री अविनाश गहलोत, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, विधायक धर्मपाल गुर्जर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता मुरारी सैनी, बजरंग दल के जिला संयोजक रवि गुप्ता, प्रमोद खंडेलिया, पूर्व पार्षद प्रमोद जानू, पुरूषोत्तम खाजपुरिया, अर्जुन महला, सतीश खींचड़, कमलकांत शर्मा, डॉ. डीएन तुलस्यान सहित समर्थक मौजूद रहे। जीत की घोषणा के बाद भी राजेन्द्र भांबू के कार्यालय के अलावा जिला मुख्यालय में कई जगहों पर व विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में आतिशबाजी कर खुशी मनाई गई।

चुनाव हारने के बाद राजेंद्र सिंह गुढा ने कहा कि उन्हें टाइम कम मिला, लेकिन फिर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे उन सभी लोगों का आभार जताते हैं जिन्होंने उन्हें वोट किया, सपोर्ट किया। वे हमेशा झुंझुनूं विधानसभा के लोगों के दुख-दर्द में उनके साथ खड़े रहेंगे। जिन लोगों तक वे पहुंचे और जिन्हें बात समझ आई, उन्होंने वोट किया। जिन लोगों तक कम समय के कारण नहीं पहुंच पाए, उन तक पहुंचेंगे। सभी का आभार जताने के लिए वे लोगों के बीच जाएंगे।

भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू की जीत के बाद झुंझुनूं जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत झुंझुनूं पहुंचे। प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने राजेंद्र भांबू को जीत की बधाई दी। पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि यह जीत झुंझुनूं की जनता की जीत है। भारतीय जनता पार्टी ने झुंझुनूं विधानसभा सीट पर अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। झुंझुनूं की जनता ने सरकार के 11 महीने के कामकाज पर मोहर लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सात सीटों में से पांच सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की है। जनता का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति विश्वास है। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं की जनता ने परिवारवाद और वंशवाद को खत्म करने का काम किया है। प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि राजेंद्र भाम्बू कमल के प्रतीक थे, जनता ने चुनाव लड़ा और ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

खींवसर में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी की जमानत जब्त

खींवसर में बीजेपी की ऐतिहासिक विजय, रेवंतराम डांगा ने जीत दर्ज की

रेवंतराम डांगा।

- **बीजेपी प्रत्याशी रेवंतराम डांगा ने आरएलपी प्रत्याशी कनिका बेनीवाल को हराया**
- **इस जीत के साथ ही खींवसर विधानसभा में आरएलपी का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है**

नागौर, (निसं)। खींवसर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) का गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत रखने वाली पार्टी की प्रत्याशी और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रेवतराम डांगा ने 13901 वोटों के बड़े अंतर से हराया। इस जीत के साथ ही विधानसभा में आरएलपी का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी में जश्न का माहौल है। पूरे नागौर जिले में बीजेपी के कार्यकर्ता जश्न मनाया इसलिए कि खींवसर के इस उपचुनाव में बीजेपी पार्टी ने पूरी ताकत जीत के लिए लगा दी थी।

खींवसर के उपचुनाव में बीजेपी की इस जीत के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए रेवंतराम डांगा ने कहा कि यह खींवसर की आम जनता की जीत है। हनुमान बेनीवाल द्वारा रेवंतराम डांगा को अनपढ़ कहने के सवाल का जवाब देते हुए डांगा ने कहा कि ये उनकी भाषा है, हीन भावना है, हम ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देते, धरातल पर काम करते हैं। डांगा ने कहा कि आज खींवसर जीता है, यह आम जनता की जीत है।

कांग्रेस अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही कि इस चुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी डॉ. रतन चौधरी अपनी जमानत भी नहीं बचा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस को 26 हजार से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन इस उपचुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी को मात्र 5454 वोट ही मिल पाए और इस तरह कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई।

जीत के बाद डांगा हुए भावुक : खींवसर की इस ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा के प्रत्याशी रेवंतराम डांगा भावुक हो गए। पिछले विधानसभा चुनाव में मात्र 2,059 वोट से डांगा हार गए थे। इस बार बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की सूचना मिलते ही डांगा भावुक हो गए। इसके बाद समर्थकों के साथ डांगा ने डांस भी किया। ज्योति मिर्धा और समर्थकों के साथ रेवंतराम डांगा अपने भाई के घर से पैदल ही मतगणना स्थल लॉ कॉलेज तक पहुंचे और पूरे रास्ते जश्न मनाते हुए जीत का प्रमाण पत्र लिया। इसके बाद डांगा खरनाल में वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में दर्शन के लिए निकले।

दौसा उपचुनाव में कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा जीते

कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को रिटर्रिंग अधिकारी ने प्रमाण पत्र सौंपा।

- **भाजपा के जगमोहन मीणा को 2300 मतों से पराजित किया**

दौसा, (निसं)। दौसा विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के जगमोहन मीणा को 2300 मतों से पराजित कर कांग्रेस की हैट्रिक करवा दी।

उल्लेखनीय है कि दौसा विधानसभा के लिए 1 लाख 53 हजार 740 मतदाताओं ने अपने मतों को प्रयोग किया था। शनिवार को जिला एवं पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मतों की गणना कराई, जिसमें कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा को 75 हजार 536 मत, भाजपा के जगमोहन मीणा को 73 हजार 236 मत, निर्दलीय विप्र गोयल को 1 हजार 369 मत, दूलीचंद सैनी को 758 मत, बेणीप्रसाद कौशिक को 231 मत, मोहनलाल को 154 मत, रितु शर्मा को 411 मत, देवीसिंह को 306 मत, पूरणमल मौर्य 302 मत, मक्खनलाल मीणा, 208 मत, डॉ. रामरुप मीणा को 97 मत, विजय को 172 मत तथा नोटा को 908 मत मिले। इस प्रकार कांग्रेस के दीनदयाल बैरवा ने भाजपा के जगमोहन मीणा को 23 सौ मतों से पराजित कर कांग्रेस को लगातार तीसरी बार जीत दिलाई है। इधर कांग्रेस के पक्ष में परिणाम आने के साथ ही भाजपाई नेता जीत का अंतर कम होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी से पुनर्मतगणना कराये जाने की मांग की। जिला प्रशासन द्वारा काफी समझाइश के बावजूद भाजपा के चुनाव अभिकर्ता एडवोकेट अभयशंकर शर्मा पुनर्मतगणना के लिये अड़ गये। इसके बाद जिला प्रशासन ने पुनर्मतगणना की अनुमति जारी कर दी।

रेण्डमाईजेशन के बाद हुई 10 बूथों की गणना:- भाजपा के चुनाव अभिकर्ता एडवोकेट अभयशंकर शर्मा की मांग पर निर्वाचन विभाग ने रेण्डमाईजेशन से 10 बूथों की मतों की गणना की अनुमति जारी की गई। रेण्डमाइजेशन के बाद बूथ संख्या 92, 93, 105 ए, 151, 153, 158, 165, 181 तथा बूथ संख्या 192 की मतगणना कराई गई। इस दौरान वीवीपी मतों की भी गणना कराई गई। ईवीएम एवं वीवीपी मतों में अंतर नही आने पर रिर्टनिंग अधिकारी मूलचंद ने कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा को वियजी घोषित किया तथा प्रमाण पत्र दिया।

आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। अदालत ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिये कृषि भूमि हड़पने के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया है। रूपनगढ़ थाना पुलिस ने 20 नवंबर को विजय गिदवानी पुत्र प्रकाश, रोडू पुत्र श्योकरण, इकराम निवासी ग्राम सुरसुरा, रामदेव पुत्र नारायण सिंह निवासी मदनगंज को फर्जी तरीके से कूटरचित पावर ऑफ अटॉर्नी असल के रूप में उपयोग में लाकर कृषि भूमि को हड़पने के आरोप में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां इनको जेल भेजने के आदेश दिया। बाद अपर जिला सेशन न्यायालय के समक्ष जमानत याचिका पेश की, अदालत ने एडवोकेट उमराव चौधरी व परमेश्वर बाना के तर्कों से सहमत होते हुए जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया।

शादी के सीजन में चोर सक्रिय

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट पुलिस थाना क्षेत्र में 9 नंबर को पेट्रोल पंप के पास अंगीरा नगर में पांच संदिग्ध युवक वारदात की मंशा से एक मकान में घुसने की कोशिश करते कैमरे में कैद हुए हैं। इलाके के लोगों की सूचना पर पुलिस टीम ने संदिग्ध लोगों की तलाश की, लेकिन कोई पकड़ में नहीं आया। थाना प्रभारी श्याम सिंह के अनुसार, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में चार-पांच लोग संदिग्ध हालत में इलाके में घूमते और एक मकान की टोह लेते नजर आए हैं।

जनता ने भाजपा की नीतियों और डबल इंजन सरकारों पर पूरा भरोसा जताया : पूनिया

डॉ. सतीश पूनिया।

- **डॉ. सतीश पूनिया ने राजस्थान उपचुनावों में झुंझुनूं, खींवसर, देवली-उनियारा, रामगढ़ में संभाली थी चुनाव प्रचार की कमान, इन सभी सीटों पर भाजपा जीती**

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं राजस्थान भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने राजस्थान, महाराष्ट्र सहित तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की शानदार जीत यह दर्शाती है कि जनता ने भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकारों पर अपना पूरा भरोसा जताया है। जनता ने कांग्रेस और उसके गठबंधन को उनकी धराशायी हो चुकी जमीन की स्थिति का आईना दिखा दिया है। भाजपा की इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि जनता को विकास, सुशासन और स्थिरता पर भरोसा है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीति को जनता ने नकार दिया है।

जानकारी के अनुसार भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार चार महीने तक हरियाणा प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने माइक्रो मैनेजमेंट के जरिये चुनाव प्रबंधन से लेकर संगठन की मजबूती के लिए रणनीति पर काम किया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की प्रचंड बहुमत की भाजपा की डबल इंजन सरकार बनी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से हरियाणा, राजस्थान सहित पूरे देश के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ, हरियाणा चुनाव संपन्न होने के बाद सतीश पूनियां के राजस्थान लौटते ही राजस्थान उपचुनाव में भाजपा प्रदेश नेतृत्व एवं स्थानीय नेतृत्व की मांग पर सतीश पूनियां ने झुंझुनूं, खींवसर, रामगढ़ और देवली उनियारा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में किसान, युवा और कार्यकर्ता सम्मेलनों को संबोधित किया था।

इन सभी सीटों पर भी सतीश पूनियां ने हरियाणा विधानसभा चुनाव की तरह माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए चुनाव प्रचार और चुनाव प्रबंधन की रणनीति पर काम किया था, जहां भाजपा को शानदार जीत मिली है। सतीश पूनिया ने राजस्थान उपचुनावों में जहां जहां प्रचार किया वहां वहां भारतीय जनता पार्टी को विजय हासिल हुई है। पूनिया ने झुंझुनूं, देवली-उनियारा, रामगढ़, खींवसर में सघन प्रचार किया था और उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिला था और भाजपा को इन सीटों पर प्रचंड जीत मिली है।

हरियाणा विजय के बाद भाजपा राजस्थान अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सतीश पूनिया से मिलकर और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने फ़ोन पर बात करके उपचुनावों में समय देने का आग्रह किया था। संगठन सर्वोपरि को लक्ष्य मानकर सतीश पूनियां बिना विलंब किये इन चार सीटों पर चुनाव प्रचार में जुट गए, जहां भाजपा के पक्ष में सकारात्मक नतीजे आये हैं।

जनता ने मोदीजी के विजन पर मुहर लगाई : शेखावत

- **राजस्थान में उपचुनाव और महाराष्ट्र के परिणाम पर केंद्रीय मंत्री ने आभार जताया**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा उप चुनाव में भाजपा की जीत पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनाव में भी भाजपा का भगवा ध्वज अन्य दलों से बहुत ऊंचा रहा है, क्योंकि ईश्वर स्वरूप जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास है।

शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया में शेखावत ने जोधपुर में कहा कि अमित शाह और जेपी नड्डा की संगठन क्षमता ने फिर प्रभाव दिखाया है। संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व पुनः प्रमाणित हुआ है। हरेक कार्यकर्ता साथी को इस विजय क्रम को बनाए रखने का श्रेय जाता है, जिनके परिश्रम से जनता-जनार्दन का स्नेहाशीष कायम है। महाराष्ट्र के नतीजों पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देवतुल्य जनता ने मोदी के विजन पर मुहर लगाई है। साफ है, महाराष्ट्र महायुति के साथ विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है। अपने 'बचाव' के लिए 'अलगाव' को बढ़ावा देने वाली पार्टियों को आत्मचिंतन करना चाहिए।

रामगढ़ विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की जीत से उत्साह

भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह की जीत पर समर्थकों ने जश्न मनाया।

अलवर, (निसं)। अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की जीत पर जहां भाजपा में उत्साह का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह की जीत से रामगढ़ में वंशवाद की राजनीति पर ब्रेक लग गया है। रामगढ़ में भाजपा की तरफ से आहूजा परिवार राजनीति में अग्रसर रहा तो कांग्रेस में जुबेर खान परिवार लम्बे समय से रामगढ़ की राजनीति को देख रहे हैं, लेकिन इस जीत के बाद दोनों ही पार्टियों की वंशवाद की राजनीति का अंत हो गया है।

रामगढ़ विजय के साथ ही अलवर जिले में अलवर सांसद व केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव और राज्य मंत्री संजय शर्मा का राजनेतिक कैरियर सफल रहा है तो वहीं अलवर भाजपा जिला अध्यक्ष दक्षिण अशोक शर्मा का कद भी पार्टी में बढ़ा है। वहीं भाजपा प्रत्याशी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव मैदान में लगातार जूझने वाले भाजपा नेता इस भारद्वाज और औड नेता निर्मल सुरा का कद में भी इजाफा हुआ है। रामगढ़ निवासियों का कहना है कि अगर पार्टी 2023 में ही सुखवंत को टिकट दे देती तो यह उपचुनाव ही नही होता। अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत सिंह 13 हजार 636 वोट से जीते हैं। बैलेट पेपर के वोट अलग से हैं। दो राउंड की काउंटिंग से पहले ही कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर काउंटिंग हॉल छोड़कर चले गए। उन्होंने हॉल से निकलते ही बीजेपी के कार्यकर्ता अमनदीप को बधाई तक दे दी। उनके जाने के बाद बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत सिंह आए। उन्होंने कहा कि ये जनता की जीत है। सबके लिए बराबर प्रयास करेंगे। गोतस्करी व टटलूबाजी सहित अन्य मुद्दों से जनता को राहत दिलाने का प्रयास करेंगे।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सुखवंत की सादगी, भजनलाल सरकार के 11 महीने के काम व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के प्रयासों से जीत मिली है। सब कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। हमने पहले होने वाली बूथ कैप्चरिंग को रोका है, जिससे बीजेपी को फायदा मिला है। आर्यन खान को 95 हजार 175 व बीजेपी प्रत्याशी सुखवंत को 1 लाख 8 हजार 811 वोट मिले हैं। बैलेट पेपर के वोट अलग से हैं। 13 हजार 636 वोट से बीजेपी प्रत्याशी की जीत हुई है।

सलूम्बर में भाजपा की शांता मीणा विजयी, चौरासी में बीएपी का वर्चस्व कायम

चौरासी सीट पर बीएपी प्रत्याशी अनिल कटारा 23842 वोट से जीते

सलूम्बर उपचुनाव की मतगणना के बाद विजयी प्रत्याशी की रिटर्निंग अधिकारी ने घोषणा की।

- **सलूम्बर में कांग्रेस प्रत्याशी की जमानत जब्त, बीएपी ने सलूम्बर में जनाधार बढ़ाया**

उदयपुर/डूंगरपुर, (कासं)। उदयपुर संभाग में हुए विधानसभा उपचुनाव के परिणाम यथावत रहे, एक सीट पर भाजपा एवं एक सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) का वर्चस्व कायम रहा। हालांकि दोनों ही सीटों पर पूर्व की अपेक्षा प्राप्त मतों में कमी आई है। वहीं मतदाताओं ने इन सीटों पर कांग्रेस को सिरे से खारिज कर दिया है। जैसी कि संभावना थी सलूम्बर में तो भीतरघात के चलते कांग्रेस की रेशमा मीणा की जमानत ही जब्त हो गई। वहीं सलूंबर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की शांता मीणा ने चुनाव जीत लिया है। उन्होंने बाप पार्टी के जितेश कटारा को हराया। यहां कांग्रेस तीसरे नंबर पर रही। यहां लगातार बीएपी मुकाबले में आगे रही लेकिन धीरे-धीरे मॉर्जिन कम हुआ और आखिरी राउंड में भाजपा ने जीत दर्ज कर ली। शांता मीणा 1285 वोट से चुनाव जीती।

उल्लेखनीय है कि सलूम्बर विधानसभा के 2023 में हुए चुनाव में भाजपा के अमृतलाल मीणा ने 14691 वोट से जीते थे। अमृतलाल मीणा के निधन के कारण सीट खाली हुई थी जिस पर उनकी पत्नी शांता मीणा को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। उसके उपरांत में जीत भले ही हांसिल कर ली हो लेकिन आशातीत मत प्राप्त करने में असफल रही। दूसरी ओर 2023 के चुनाव में बीएपी के जितेश कटारा ने जहां पिछली बार 55 हजार से अधिक मत प्राप्त करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया था। वहीं इस बार 83 हजार से अधिक मत प्राप्त करते हुए कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही।

इधर डूंगरपुर जिले के चौरासी सीट पर बीएपी प्रत्याशी अनिल कटारा 23842 वोट से जीते। जनता ने बता दिया है कि वह भील प्रदेश की मांग वाली पार्टी के साथ खड़ी है। भाजपा ने इस बार जो तैयारी की थी वह अभूतपूर्व थी। चौरासी विधानसभा में राजकुमार रोत के विधायक से सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई थी। इस सीट पर लगातार दो बार से बीटीपी और फिर बीएपी से राजकुमार रोत चुनाव जीते। इससे पहले भाजपा के सुशील कटारा विधायक थे।